पाठ-2 हंस और कौआ

शब्द	अर्थ
बरगद	वट वृक्ष
लाल बुझक्कड़	किसी बात या घटना के रहस्य को बिना समझे मूर्खतापूर्ण अर्थ निकालनेवाला व्यक्ति
एकाध	एक या दो, संख्या में बहुत कम
दाहिनी	दाएँ हाथ की तरफ़
खिसियाना	लज्जित होना, खीझना
बिसात	हैसियत, सामर्थ्य

{प्रश्न उत्तर}

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र०=1 कौआ कहाँ रहता था?
उ०=1 कौआ सरोवर के किनारे, बरगद के एक बड़े पेड़ पर रहता था।

प्र०=2 कौए को कितनी उड़ाने आती थीं?
उ०=2 कौए को इक्यावन (51) उड़ाने आतीं थीं।

प्र०=3 कौआ हंसो को क्यों पहचान नहीं सका?
उ०=3 कौआ हंसो को इसलिए पहचान नहीं सका क्योंकि उसने अपने जीवन में कभी भी हंसो को नहीं देखा था।

प्र०=4 पानी से निकालकर हंस ने कौए के साथ क्या किया?
उ०=4 पानी से निकालकर हंस ने कौए को अपनी पीठ पर बैठाकर ऊँची उड़ान भरी जिससे कौआ डर के मारे गिड़गिड़ाने लगा तब हंस को दया आ गई और उसने कौए को बरगद की डाल पर बैठा दिया।

प्र०=5 लोग 'शेखी बघारना' अथवा 'शो ऑफ़' करना क्यों ज़रूरी समझते हैं? आपके विचार में यह कहाँ तक उचित है?
उ०=5 लोग 'शेखी बघारना' अथवा 'शो ऑफ़' करना इसलिए ज़रूरी समझते हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि ऐसा करने से समाज में उनकी इज़्ज़त बढ़ गई है। हमारे विचार से यह करना बिल्कुल उचित नहीं है क्योंकि ~~अनावश्यक~~ अनावश्यक रूप से दिखावा करना समाज में हमारा सम्मान बढ़ाता नहीं बल्कि घटाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र०=1 कौए ने ऐसा क्यों कहा – "कौए की बराबरी कभी किसी ने की है?"
उ०=1 "कौए की बराबरी कभी किसी ने की है?" कौए ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसे अनावश्यक ही अपने ऊपर घमंड हो गया था कि, उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता है।

प्र०=2 कौए ने अपनी इक्यावन उड़ानें किस तरह दिखाईं?

उ०=2 कौए ने अपनी इक्यावन उड़ानें फ़िज़ूल ही कभी ऊपर, कभी नीचे, कभी दाएं-बाएं, कभी पत्तों-पैरों उड़कर दिखाई।

प्र०=3 हंस के साथ उड़ते समय कौआ पहले तो आगे था पर कुछ देर बाद पीछे रह गया। क्यों?

उ०=3 हंस के साथ उड़ते समय कौआ पहले तो आगे था पर कुछ देर बाद पीछे रह गया क्योंकि शेखी बघारने के चक्कर में कौआ पहले ही बहुत थक चुका था और अत्यधिक थकान के कारण उससे उड़ा नहीं जा रहा था।

प्र०=4 कौए को डूबता देख हंस का उसे बचाना कहाँ तक उचित था?

उ०=4 कौए को डूबता देख हंस का उसे बचाना पूरी तरह उचित था क्योंकि यहाँ बात किसी के प्राणों को बचाने की थी और इंसानियत का तकाज़ा यही कहता है कि हंस को कौए की मदद करनी ही चाहिए थी।

प्र०=5 उसके पंख अब पानी छूने लगे थे।

उ०=5 उसके पंख अब पानी छूने लगे थे क्योंकि कौआ अत्यधिक थकान के कारण उड़ नहीं पा रहा था और अब उसकी हिम्मत जवाब दे रही थी और अब वह डूबने लगा था।

प्र०=6 उस दिन से कौआ समझ गया कि उसकी बिसात कितनी है।

जब कौए के ~~बड़बोले~~ बड़बोलेपन के कारण उसके प्राण संकट में पड़ गए और जब हंस ने दया पूर्वक उसकी जान बचाई, तब कौए को यह बात समझ आ गई कि उसे ~~सामर्थ्य अनुसार~~ ही काम करना चाहिए।
सामर्थ्यानुसार ~~सामर्थ्यानुसार~~

Good

[signature] 04/05/19